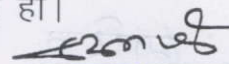
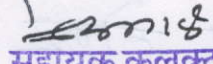



बाडमेर अग्रवाल सम्मेलन संस्था बनाम ओमसिंह वगैरा

किस्म मुकदमा राजस्व वाद अंतर्गत धारा 188 आर.टी.ए. ... नं. .51... सन् 2022


तारीखहुकम	हुकम कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीखअहकाम जो इस हुकम की तामील मे जारी हुए
26.05.2020	<p>वादी बाडमेर अग्रवाल सम्मेलन संस्था, बाडमेर जरिये अध्यक्ष श्रीकिशन की ओर से अधिवक्ता श्री सुनिल के मेराजा द्वारा यह राजस्व वाद राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 188 के अंतर्गत प्रस्तुत किया है। प्रतिवादीगण जरिये नोटिस तलब होकर पत्रावली दिनांक ...15/06/22 को पेश हो।</p> <p style="text-align: right;">  सहायक कलक्टर (SDO) बाडमेर </p>	<p style="text-align: right;">1381 13/06/22</p>
15/06/22	<p>पत्रावली पेश हुई। वादीगण अधिवक्ता उपाक्षित प्रतिवादीगण की तलबी हेतु सम्मान हेतु तलबना पेश है, पेश होने पर जारी है, पत्रावली वाले तलबी तारीख 06/09/2022 को पेश है।</p> <p style="text-align: right;">  सहायक कलक्टर (SDO) बाडमेर </p>	
12/07/22	<p>वादी एवं वकील वादी के छार्चना-पत्र पत्रावली द्वारा पेशा हुई। वादी एवं उपाक्षित। वादी एवं वकील वादी ने निवेदन किया कि वादी एवं प्रतिवादीगण के मध्य लोक अदालत की भावना से शान्तिपूर्ण हो गया है। निवेदन के अब इस प्रकार से कोई कार्यवाही नहीं करते हैं तथा वाद</p>	<p>मैं अपना वाद नोटिस विद्वां खानिज अस्व  अदालत (श्रीकिशन)</p>

को इसी स्तर पर जरिये विद्रोह
खरिद करते का निवेदन किया।

कमी वादी को बुना गया। पत्रावली
का अवलोकन किया गया। एक तथ्यों
एवं पत्रावली के अवलोकन से ज्ञात होता
है कि वादी एवं वादीगण के मध्य
लोक अदालत की भावना से राजीनामा
हो गया है जिसका वादी उफरान से
कोई कार्रवाई नहीं करते हैं। जिसका
उफरान खरिद योग्य है।

अतः वादी एवं कमी वादी द्वारा
प्रदत्त जर्जना - जज वास्तु जरिये विद्रोह खरिद
करते वाद स्वीकार किया जाकर वादी द्वारा
प्रदत्त वाद खरिद किया जाता है।

पत्रावली में लगे हुए हर एक दायित्व
हो। आदेशा कुले न्यायलय में हुआ गया।


सहायक कलेक्टर
(SDO) बाड़मेर